# उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग
# मुख्य परीक्षा-2020
# (सामान्य हिंदी)
# मॉडल पेपर-2

निर्धारित समय : 3 घंटे | अधिकतम अंक : 150

*नोट:*

*(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

*(ii) प्रत्येक प्रश्न के अंक प्रश्न के अंत में अंकित हैं।*

*(iii) पत्र, प्रार्थना-पत्र या किसी अन्य प्रश्न के उत्तर के साथ अपना अथवा अन्य का नाम, पता एवं अनुक्रमांक न लिखें। आवश्यक होने पर क, ख, ग लिख सकते हैं।*

**1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िये और नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

कर्म तथा वाणी इस संसार की दो अचूक शक्तियाँ हैं। कुछ लोगों द्वारा कर्मों से जबकि कुछ लोगों द्वारा वाणी से संसार को मार्ग दिखाया जाता है। शब्द तथा आचरण दोनों ही महान् शक्तियाँ हैं। लेकिन, शब्द की महिमा अपार है। संसार में संस्कृति, साहित्य, कला, विज्ञान, शास्त्र सभी शब्द शक्ति के प्रतिनिधि प्रमाण हैं, किंतु आचरणहीन शब्द व्यर्थ होते हैं। कर्म के बिना वाणी तथा व्यवहार के बिना शब्द अर्थहीन है। इसमें कोई संदेह नहीं कि शब्द शक्ति महान् है, लेकिन चिरस्थायी और सनातनी शक्ति तो आचरण है। महात्मा गांधी ने अपने जीवन में इन दोनों का कठिन और अद्‌भुत प्रयोग किया था। गांधी जी का पूरा जीवन इन्हीं दोनों से युक्त था। वे वाणी और आचरण से एक थे, अर्थात् उनकी कथनी और करनी समान थी। यही उनकी महानता का रहस्य है। जबकि कस्तूरबा ने शब्द के बजाय कृति की उपासना को अधिक महत्त्व दिया, क्योंकि कृति का प्रभाव चिरस्थायी तथा सर्वोत्तम होता है। कस्तूरबा का विश्वास शब्दों की बजाय कर्मों पर अधिक था। इस प्रकार उन्होंने रचनात्मक कर्मों को वरीयता दी। कस्तूरबा ने सिर्फ शाब्दिक, शास्त्रीय, सैद्धांतिक शब्दावली नहीं सीखी थी बल्कि वे कर्म की भी उपासिका थीं। गांधी जी की तरह वे भी जो कहती थीं उसे पूरा करती थीं। इसी के माध्यम से उन्होंने अपने जीवन को सफल तथा सार्थक बनाया।

**(क)** प्रस्तुत गद्यांश का भावार्थ अपने शब्दों में लिखिये। 5

**(ख)** शब्द शक्ति तथा व्यवहार में किस प्रकार का संबंध है? स्पष्ट कीजिये। 5

**(ग)** उपर्युक्त गद्यांश की रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिये। 20

**2. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर निर्देशानुसार उत्तर लिखिये:**

किसी भी समाज की संस्कृति दो मंजिला इमारत की तरह होती है, जिसमें पहली मंजिल पर आधारभूत किंतु अनवरत जीवन-मूल्य होते हैं। इसमें प्रेम, परस्पर सहकार्य, न्याय, सौंदर्य जैसे आधारभूत तत्त्व सम्मिलित हैं। ये मूल्य समयकाल से परे होने के साथ मानवीय जीवन की आधारशिला होते हैं। संस्कृति की पहली मंजिल पर दूसरी मंजिल का निर्माण विभिन्न समाजों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार होता है। धार्मिक, ऐतिहासिक परंपरा, आर्थिक विनिमय, स्त्री-पुरुष संबंध तथा परिस्थिति से उत्पन्न अन्य मूल्यों का संस्कृति के निर्माण में योगदान होता है। यह व्यवस्था मूल रूप में संरक्षणात्मक होने के चलते विभिन्न प्रकार के प्रतीक, परंपरा, रूढ़ धारणाओं और अंधविश्वासों का एक अनुचित परिवेश निर्मित करती है, जिससे पहली मंजिल के आधारभूत मूल्यों की उपेक्षा होने लगती है।

इससे समाज में भ्रम पैदा होने लगता है कि उसकी संस्कृति की इमारत की दूसरी मंजिल की मूल व्यवस्था ही उसकी सच्ची संस्कृति है। इस भ्रम से विभिन्न प्रकार की विकृतियाँ उत्पन्न होती हैं, जो समाज में हो रहे परिवर्तनों से संघर्ष करने लगती हैं। वस्तुत: अब इन्हीं परिस्थितियों को परिवर्तित कर नयी संस्कृति को स्थापित करना समाज के सामने सबसे बड़ा लक्ष्य है। इसमें शिक्षा प्रणाली तथा प्रसार-माध्यम की महत्त्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। शिक्षा के द्वारा भावी पीढ़ी में सांस्कृतिक निष्ठा के संस्कार डाले जाते हैं। लेकिन हमारी वर्तमान शिक्षा प्रणाली इस कसौटी पर खरी नहीं उतर पाई है। समाज में विषमता की खाई को चौड़ी करने में इस शिक्षा प्रणाली का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। यह व्यवस्था धन संपन्न लोगों की दोस्त और वंचितों की दुश्मन बन गई है।

**(क)** प्रस्तुत गद्यांश के लिये उचित शीर्षक दीजिये। 5

**(ख)** नई संस्कृति के विकास में वर्तमान शिक्षा प्रणाली की क्या सीमाएँ हैं? 5

**(ग)** उपर्युक्त गद्यांश का संक्षेपण कीजिये। 20

**3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिये:**

**(क)** अर्द्धशासकीय पत्र को परिभाषित करते हुए वन विभाग, उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव की ओर से सोनभद्र के ज़िलाधिकारी को एक अर्द्धशासकीय पत्र लिखिये, जिसमें वन अधिकार अधिनियम, 2006 के त्वरित क्रियान्वयन हेतु दिशा-निर्देश हों। 10

**(ख)** अधिसूचना का परिचय देते हुए भारत सरकार के राजपत्र में प्रकाशित होने के लिये अधिसूचना का प्रारूप तैयार कीजिये। 10

**4. निम्नलिखित शब्दों के विलोम लिखिये:** 10

ध्वंस, पुष्ट, संयोग, द्वंद्व, व्यक्त, तृषा, विज्ञ, हर्ष, युयुत्सा, मूक

**5. (क) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त उपसर्गों का निर्देश कीजिये:** 5

पराभव, अध्यादेश, उद्यम, दुर्मति, संचार

**(ख) निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त प्रत्ययों को विलग कीजिये:** 5

सामुदायिक, वैष्णव, सपेरा, दांपत्य, शोभायमान

**6. निम्नलिखित वाक्यों या पदबंधों के लिये एक-एक शब्द लिखिये:** 10

(i) जिस पर मत दे दिया गया हो।

(ii) गुरु के समीप रहने वाला विद्यार्थी।

(iii) अन्य से संबंध न रखने वाला।

(iv) दूसरों में केवल दोष देखने वाला व्यक्ति।

(v) जो समय पड़ने पर काम आ सके।

**7. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कीजिये:** 5

(i) इतनी रात गई तुम कहाँ थे?

(ii) वे अभी-अभी खाना खाये हैं।

(iii) यह एक अनुवादित पुस्तक है।

(iv) यहाँ की जलवायु मेरे अनुरूप नहीं है।

(v) अनेकों लोगों ने दूरदर्शन पर मैच देखा।

**(ख) निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी का संशोधन कीजिये।** 5

यशगान, द्विवार्षिक, यथेष्ठ, अनुग्रहित, वाल्मीकी

**8. निम्नलिखित मुहावरों/लोकोक्तियों के अर्थ लिखिये और उनका वाक्यों में प्रयोग कीजिये:** 30

(i) अंगारों पर पैर रखना

(ii) छठी का दूध याद आना

(iii) गुदड़ी का लाल होना

(iv) निन्यानवे के फेर में पड़ना

(v) बगुला भगत होना

(vi) हाथ कंगन को आरसी क्या

(vii) होनहार बिरवान के होत चीकने पात

(viii) न सूत कपास जुलाहे में लट्ठम-लट्ठा

(ix) घर आए नाग न पूजैं बांबी पूजन जाएँ

(x) आप डूबे तो जग डूबा।

Drishti IAS